व्यापार की योजना

पर

आय सृजन गतिविधि पत्तल बनाना

स्वयं सहायता समूह - बरोटा

SHG/CIG नाम - बरोटा

वीएफडीएस नाम - कोहारपुर

श्रेणी - ज्वालामुखी

विभाजन - देहरा

के तहत तैयार-

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना (जाईका सहायता प्राप्त)

एसएचजी का नाम: बरोटा वीएफडीएस: कोहारपुर रेंज: ज्वालामुखी, वन मंडल: देहरा

<u>विषय - सूची</u>

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	परिचय	3
2.	SHG/CIG का विवरण	4
3.	लाभार्थियों का विवरण	5
4.	गाँव का भौगोलिक विवरण	6
5.	कार्यकारी सारांश	6
6.	आय सृजन गतिविधि से संबधित उत्पाद का िववरण	7
7.	उत्पादन प्रक्रियाएँ	7
8.	उत्पादन योजना	8
9.	विक्री विपरण	9
10.	स्वोट अनालीसीस	9-10
11	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	10
12.	अर्थशास्त्र का विवरण	10-11
13.	आय और व्यय का विश्लेषण	12
14.	निधि की आवश्यकता	12
15.	निधि के स्रोत	13
16.	प्रशिक्षण /क्षमता निर्माण /कौशल उन्नयन	13
17.	ब्रेक ईवन- बिन्दु की गणना	14
18.	बैंक ऋण चुकौती	14
19.	निगरानी विधि	14-15
20.	टिप्पणी	15
21.	समूह के सदस्यों की तस्वीरें	16
22.	समूह फोटो	17
23.	संकल्पसह—समूह सहमति पत्र	18
24.	वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यवसाय अनुमोदन	19

1. परिचय

बरोटा स्वयं सहायता समूह का गठन िहमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिक तंत्र प्रबंधन और आजीिवका सुधार परियोजना (जाईका वित्तपोषित)के तहत िकया गया था, जो वीएफडीएस कोहारपुर और रेंज ज्वालामुखी के अंतर्गत आता है। ज्वालामुखी के इस स्वयं सहायता समूह में 15 महिलायें हैं और उन्होंने सामूिहक रूप से पत्तल (प्लेटें)और दूना (कटोरा) बनाकर अपनी आय सृजन गतिविधि (IGA) शुरू करने का िनर्ण लिया । इन लोगों के पास पहले से ही आस-पास के जंगल में प्रचुर मात्रा में तौर के पत्ते उपलब्ध थे । इस इलाके में ऐसे पत्तलों की माँग बहुत ज़्यादा है। साथ ही पास के बाजार में भी बहुत मांग है । टौर के पत्तों से पत्तलें बनाना कोई नई बात नहीं है । यह एक पुरानी परंपरा है,जहाँ लोग तौर के पत्तों को इकट्ठा करते थे,उन्हें धोकर साफ़ करते थे और िफर दो-तीन पत्तों को लकड़ी की छोटी-छोटी िपनों से बाँध देते थे। यह पारंपरिक तरीका आज भी मौजूद है,लेकिन बहुत कम संख्या में। मुख्य पारंपिरक तरीके से तौर लीव्स प्लेट बनाने का चलन कम होने का कारण बाज़ार में एल्युमीिनयम प्लेट जैसी दूसरी प्लेट्स का कम होना और तौर लीव्स प्लेट्स की शेल्फ लाइफ कम होना है। दूसरा कारण यह है िक इसमें समय लगता है और बहुत ज़्यादा मेहनत लगती है,और अब बहुत कम लोग बचे हैं। जो लोग अभी भी पारंपरिक तरीके से ही पत्तलें बना रहे हैं। पर्यावरण के अनुकूल चीजों की मांग बढ़ रही है,इसलिए यह एक अच्छी आय सृजन गतिविधि है।

यह पूरी तरह से जैव अपघटनीय- है और मानव स्वास्थ्य पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ता ।यह पूरी तरह से सुरक्षित है और एल्युमीिनयम प्लेटों की जगह ले सकता है। एल्युमीि नयम प्लेटें अच्छी होती हैं और मानव स्वास्थ्य के िलए कोई गंभीर खतरा नहीं रखतीं,लेिकन चूंकि संसाधनों का ह्रास हो रहा है और एल्युमीिनयम एक महत्वपूर्ण संसाधन है ,इसिलए इसका उपयोग नहीं िकया जा सकता । अन्य प्रयोजनों के िलए. जैसा की ऊपर बताया गया है, तौर पत्तल बनाने की पारंपरिक विधि बड़े पैमाने पर उत्पादन के िलए उपयुक्त नहीं है। तकनीकी प्रगति के साथ, अब बाज़ार में बहुत कम समय में तौर की पत्तले बनाने के िलए विशिष्ट मशीनें उपलब्ध हैं। कई लोगों ने यह काम शुरू कर दिया है।

यह एक व्यवसाय तो है ही, लेकिन ऐसे अन्य व्यवसायों के िलए भी अपार संभावनाएँ हैं जो फल-फूल सकते हैं। चूँिक ऐसी पत्तलों की माँग बहुत ज़्यादा है, इसलिए इन महिलाओं के पास पर्यटन के पत्तों का िवशाल भंडार है और बाज़ार की जानकारी होने के कारण, उन्होंने िमलकर पत्तल बनाने को अपनी आय का स्रोत बनाने का फ़ैसला िकया ।

2. SHG/CIG का विवरण

1. SHG/CIG का नाम	बरोटा
2. वीएफडीएस	कोहारपुर
3. रेंज	ज्वालामुखी
4. िवभाजन	देहरा
5. गाँव	कोहारपुर
6. ब्लॉक	भरोली
7. िजला	कांगड़ा
8. स्वयं सहायता समूह में सदस्यों की कुल संख्या	12
9. गठन की तिथि	03-09-2022
10. बैंक का विवरण.	एचडीएफसी बैंक
11. बैंक खाता संख्या-	दिनांक - 14/11/20222 खाता संख्या - 50100530476884
12. एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	50 रुपये
13. कुल बचत	600 रुपये
14. कुल अंतर ऋण	-
15. नकद क्रेडिट सीमा	-
16. पुन र्भुगतान स्थिति	-

3. लाभार्थियों का विवरण

क्रं . सं	नाम	लिंग	पती का नाम / पिता का नाम	जाति	पद	मोबाईल नंबर
1	पिंकी देवी	F	W/O सुनील कुमार	अनुसूचित जाति	अध्यक्ष	8626952136
2	बँधना देवी	F	W/O विपन कुमार	अनुसूचित जाति	सचिव	8544781053
3	मोनिका	F	W/O कमलेश	अनुसूचित जाति	कोषाध्यक्ष	6230853571
4	संतोष कुमारी	F	W/O ि◌वजय कुमार	अनुसूचित जाति	सदस्य	9599456291
5	गीता देवी	F	W/O अमर ि◌संह	अनुसूचित जाति	सदस्य	8091298464
6	मीना देवी	F	W/O रंजीत सिंह	अनुसूचित जाति	सदस्य	8894456608
7	रेशमा देवी	F	W/O रमेश चंद	अनुसूचित जाति	सदस्य	8920298189
8	सुमन देवी	F	W/O परषोत्तम सिंह	अनुसूचित जाति	सदस्य	9805647836
9	आशा देवी	F	W/o संजीव कुमार	अनुसूचित जाति	सदस्य	9816135247
10	स्वर्ण देवी	F	W/o पवन कुमार	अनुसूचित जाति	सदस्य	6230482735
11	मीरा देवी	F	W/o भागमल चंद	अनुसूचित जाति	सदस्य	8894485519
12	अंजना	F	W/o सतीश कुमार	अनुसूचित जाति	सदस्य	9805695147

4. गाँव का भौगोिलक िववरण

1	िजला मुख्यालय से दूरी	::	65 िकमी
2	मुख्य सड़क से दूरी	::	5 िकमी
3	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	::	नादौन 10 km
4	मुख्य बाजार का नाम और दूरी	::	ज्वालामुखी और 10 िकमी
5	प्रमुख शहरों के नाम और दूरी	::	नादौन-6 िकमी, ज्वालामुखी-10 िकमी,
6	उन स्थानों/स्थानों के नाम जहां उत्पाद बेचा/ िवपणन िकया जाएगा	::	नादौन , ज्वालामुखी,

5. कार्यकारी सारांश:

इस स्वयं सहायता समूह ने पत्तल बनाने की आय सृजन गतिविधि को चुना है। यह सामूिहक पहल इस स्वयं सहायता 40 पत्तलों का एक बंडल बनाने की प्रक्रिया में शुरुआत में 30 िमनट का समय लगेगा। बाद में,समूह के सदस्यों द्वारा मशीन के उपयोग में सहजता के अनुसार यह समय कम िकया जाएगा। शुरुआत में उत्पादन समूह द्वारा प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से िनकटवर्ती बाज़ार के खरीददार िवक्रेताओं और थोक िवक्रेताओं के माध्यम से बेचा जाएगा ।

6. आय सृजन गतिविधि से संबधित उत्पादन का विवरण -

उत्पादन का नाम

1	उत्पाद का नाम	**::**	टौर की पत्तल
2	उत्पाद की पहचान करने की िविध	**::**	यह गतिविधि पहले से ही कुछ स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा की जा रही है तथा उन्ही महिलाओं ने इसे ये सृजन गतिविधि के रूप में चुना है

3	स्वयं सहायता समूह/ सीआईजी/ क्लस्टर सदस्यों की सहमित	**::**	हाँ

7. उत्पादन -

मशीन पर पत्तल बनाने का प्रशिक्षण जाईका परियोजना द्वारा आयोजित िकया जाएगा । समूह के सदस्यों को मशीन पर मौके पर ही प्रशिक्षण दिया जाएगा। मौके पर प्रदर्शन सहित प्रशिक्षण का पूरा खर्च JICA परियोजना द्वारा वहन िकया जाएगा। वीएफडीएस कोहारपुर के वन क्षेत्र में तौर के पत्ते प्रचुर मात्रा में हैं। समूह सदस्य इन तोर के पत्तों को इकट्ठा करेंगे और उनका उपयोग तोर पत्तल बनाने में करेंगे ।पत्तल बनाने की प्रक्रिया में,जंगल से पत्ते इकट्ठा करना और उन्हें मशीन स्थापित करने की जगह तक लाना एक समय लेने वाला काम है।

पत्तल बनाने की मशीन के िनर्माण के अंतर्गत,समूह ने निम्नानुसार िवभाजन का सुझाव िदया है: -

- मशीन का संचालन: -02 सदस्य
- मौके पर पत्तल बनाना: -04 सदस्य
- पत्तल का संग्रहण और परिवहन (मैनुअल और वाहन): -02 सदस्य
- उत्पादन की िबक्री:-संयुक्त रूप से
- अपने समूह के लिए प्रिन्ट लोगो-1
  (प्रत्येक बंडल मे प्रिन्ट लोगो रखा जाएगा)
- सदस्यों के खातों को संभालना - 2

चूंकि समूह में कुल 15 सदस्य हैं,वे कार्य कुशलतापूर्वक कर सकेंगे । मा िसक बैठक में,वे प्रत्येक सदस्य के कार्य को विभाजित करेंगे और उनका मासिक उत्पादन लक्ष्यि निर्धारित करेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर सदस्य की भूमिका भी बदल सकते हैं।

8. उत्पादन योजना-

1. उत्पादन चक्र	कांगड़ा िजले में पत्तल की मांग आम तौर पर सभी गांवों और शहरी क्षेत्रों में है और आमतौर पर लोग िववाह और अन्यधार्िमक समारोह मेंउपयोग के िलए पत्तल खरीदते हैं । तोर के पत्तों की भारी मांग है क्यूंकी वे पर्यावरण के अनुकूल हैं और लोग इसके प्रित जागरूक हैं तथा पर्यावरण की सुरक्षा में योगदान देना चाहते हैं। पत्तल िनर्माण और तौर पत्तों की उपलब्धता जंगल में जून या जुलाई में उपलब्ध होती है
2. प्रति चक्र आवश्यक मानव शक्ति (संख्या)	**सभी महिलायें पत्तल बनाने की मशीन की स्थापना के बाद समूह के** **सदस्यों के बीच श्रमी िवभाजन िनम्नानुसार है:-** मशीन चलाने वाले:- 02 सदस्य, मौके पर पत्तल बनाने वाले: -04 सदस्य **पत्तल का संग्रहण और परिवहन (मैनुअलऔर वाहन): -**0 4 सदस्य उत्पादन की िबक्री:- संयुक्त रूप से खाता प्रबंधन -2 सदस्य
3. कच्चेमाल का स्रोत	पास का जंगल.
4. अन्य संसाधनों का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
5. (1) प्रति माह आवश्यक मात्रा (प्लेटें)	17100 भूरे रंग के कार्डबोर्ड पेपर और टॉर के पत्ते 760 िकग्रा
6. प्रति माह आपेक्षित उत्पादन (प्लेटें)	17100 प्लेटें /माह

9. <u>विक्री और विपरण</u> -

1	**संभावित बाजार स्थान**	कांगड़ा , ज्वालामुखी, देहरा , नादौन
2	**इकाई से दूरी**	कांगड़ा 44 किलोमीटर, ज्वालामुखी 15 किलोमीटर, नादौन 10 किलोमीटर , देहरा 25 किलोमीटर
3	**उत्पादन बाजार स्थानों की मांग**	पत्तलों की मांग साल भर रहती है
4	**बाजार की पहचान की प्रक्रिया**	पत्तलों की संभावित मांग निम्नलिखित क्षेत्रों से होगी जैसे विवाह शादियाँ , अन्य धार्मिक कार्य और शुरूवात में उत्पादों को निकटवर्ती बाजार में बेचा जाएगा ।
5	**उत्पादन की विपरण रणनीति**	समूह के सदस्यों के अनुसार उत्पादन क्षमता और बाजार की मांग के आधार पर खुद से ही उत्पादन की विक्री की जाएगी । स्वयं सहायता समूह के सदस्य स्वयं उत्पाद को निकटवर्ती दुकानों और बाजारों में बेचेंगे ।
6	**उत्पादन ब्रांडिंग**	CIG/SHG तथा क्लस्टर स्तर पर ही ब्रांडिंग द्वारा विपरण किया जाएगा ।
7	**उत्पाद ''नारा"**	"बरोटा पर्यावरण अनुकूल पत्तल"

10. <u>स्वोट अनैलिसिस</u>

- शक्ति कच्चामाल आसानी से उपलब्ध है।
- िनर्माण प्रक्रिया सरल है।
- उचित पैिकंग और परिवहन में आसान है
- उत्पादन का शेल्फ जीवन लंबा है।
- उत्पादन लागत कम है
- अन्यसमान उत्पादकेसाथ कुछ प्रति स्पर्धाएँ।
- एक अच्छी तरह से स्थाि पत ब्रांड बनने की उच्च संभावना उत्पादन लागत कम है
- अन्य समान उत्पादन के साथ कुछ प्रति स्पर्धा ।
- एक अच्छी तरह से स्थाि पत ब्रांड बनने की उच्च संभावना ।

कमजोरी –

- मशीन से पत्तल बनाने का अनुभव नया होगा ।
- नये स्वयं सहायता समूह को प्रबंधन एवं योजना बनाते समय किठनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

अवसर

- इसमें लाभ के अच्छे अवसर हैं क्योंिक इसी श्रेणी के अन्य उत्पादन कम हैं जो पर्यावरण अनुकूल हैं।
- बड़े पैमाने पर उत्पादन के साथ िवस्तार की संभावनाएँ हैं ।शादी—ब्याह और अन्य समारोहों में माँग ज़्यादा होती है। रोज़ाना की माँग स्थानीय खाने पीने-की दुकानों से आ सकती है।-

खतरे/जोिखम

- समूह में आंतिरक संघर्ष, पारदर्शिता का अभाव, उच्च जोिखम वहन क्षमता का अभाव तथा समूह सदस्यों के बीच श्रमि वतरण में नेतृत्व का अभाव ।
- वर्षा ऋतु के दौरान पेड़ों की पत्तियां िगरने के समय अग्र भूिम से कच्चे माल की उपलब्धता बहुत कम हो जाएगी।

11. सदस्यों के बीच प्रबंधन का िववरण-

आपसी सहमति से स्वयं सहायता समूह के सदस्य अपनी भूिमका और िजम्मेदारी तय करेंगे । कार्य सदस्यों के बीच कार्य का िवभाजन उनकी मानिसक और शारीिरक क्षमता के अनुसार िकया जाएगा ।

- कुछ समूह सदस्य पूर्व उत्पादन-प्रक्िरया (अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि) में शािमल होंगे।
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्िरया में शािमल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेिजंग और विपरण में शािमल होंगे।

12.अर्थशास्त्र का िववरण-

A. पूंजीगतलागत				
क्रमांक	**विवरण**	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**राशि (रु.)**
1	3 डाइसा + 5 िकलो पेपर रोल के साथ पेपर और टॉर प्लेट बनाने की मशीन	1	60300	60,300
2	परिवहन	लमसम	लमसम	1000/-
कुल पूंजीगत लागत (ए) =		**रु 61,300/-**		

बी. आवर्ती लागत

क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि
बी. 1	कमरे का विवरण	महीना	1	1500	1500
बी. 2	बिजली, पानी का बिल , मशीन मरम्मत	महीना	लमसम	2000	2000
बी. 3	कागज और पैकजिंग सामग्री	महीना	लमसम	20000	20000
बी. 4	मिश्रित व्यय (स्टेशनरी , बिल पुस्तक , रसीद बगैरह)	महीना	लमसम	2000	2000
कुल आवर्ती लागत (बी .) = 25500					

C. उत्पादन लागत

क्रमांक	विवरण	राशि
1	कुल आवर्ती लागत	25500/-
2	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्य	6130/-
	कुल	**31630/-**

13. आय एवं व्यय का विश्लेषण (प्रति माह)-

डी. विक्रय मूल्य गणना

क्रमांक	**िववरण**		**मात्रा**
1	**पत्तल का उत्पादन**	महीना	**37500**
2	**अपेक्षित विक्री कीमत**	3 रुपये प्रति यूनिट	**112500**

क्रमांक	**विवरण**	**मात्रा**
1	**पूंजीगत लागत पर 10% बार्षिक मूल्य**	6130
2	**कुल आवर्ती लागत**	25500
3	**कुल उत्पादन(प्लेट)**	33500
4	**िवक्रय मूल्य(प्रति प्लेट)**	3 रुपये
5	**आय पीढ़ी**	112500
6	**शुद्ध लाभ (िवक्रयमूल्य(3 रुपये प्रति प्लेट)- उत्पादन मूल्य(0.80 रुपये प्रति प्लेट))**	112500-33500 = 79000
7	**सकल लाभ = शुद्धलाभ + श्रम लागत**	79000 +70125 = 149125/-
8	शुद्ध लाभ का िवतरण	-लाभ वितरित िकया जाएगा -सदस्यों केबीच समान रूप से -माि◌सक/बार्षिक आधार पर। लाभ का उपयोग आवर्तीलागत को पूरा करने के लिए किया जाएगा -लाभ का उपयोग आईजीए में आगे िनवेश के लिए किया जाए

14. निधि की आवश्यकता-

क्र.सं	विवरण	कुल राशि	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजीगत लागत	रु 61300/.-	रु 45975/.-	रु 15325/.-
2	कुल आवर्ती लागत	रु 25500/.-	रु 0/-	रु 25500/.-
3	प्रशिक्षण क्षमता	रु. 45000/-	रु 45000/.-	रु. 0/-
कुल		**रु 131800/.-**	**रु 90975/.-**	**रु 40825/.-**

15 निधि के स्रोत:

परियोजना सहायता;	- पूंजी लागत का 75% उपयोग िकया जाएगा मशीनों की खरीद के िलए। - स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक की राि श जमा की जाएगी। - प्रशिक्षण /क्षमता निर्माण /कौशल उन्नयन की लागत	डीएमयू/एफ सीसीयू सभी कानूनी ऑपचारिकर्ताओं का पालन करने के बाद मशीनों की खरीद की जाएगी ।

स्वयं सहायता समूह का योगदान	- पूंजी लागत का 25% वहन करना होगा - एसएचजी. स्वयं सहायता समूहों द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत	

16 प्रशिक्षण /क्षमता िनर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण /क्षमता िनर्माण/कौशल उन्नयन का खर्च परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा। प्रस्ताि वत/आवश्यक कुछ प्रशिक्षण /क्षमता िनर्माण/कौशल उन्नयन कार्यक्रम निम्नलिखित हैं:

- टीम वर्क
- गुणवत्ता िनयंत्रण
- पैकेि जंग और ि वपणन
- ि वत्तीय प्रबंधन
-

17 ऋण चुकौती अनुसूची-

- यदि ऋण बैंक से िलया जाता है, तो यह नकद क्रेि डट सीमा के रूप में होगा और CCLके िलए कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांि क, सदस्यों से मा िसक बचत और पुनर्भुगतान रसीद CCL के माध्यम से भेजी जानी चा िहए।
- CCL योजना के तहत, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के बकाया मूल ऋण का पूरा भुगतान बैंकों को साल में एक बार करना अनिवार्य है। ब्याज का भुगतान मा िसक आधार पर ि कया जाना चा िहए।
- सावि ध ऋणों में, बैंकों द्वारा निर्धारित पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार भुगतान करना आवश्यक है।

18 **निगरानी विधि –**

- वीएफडीएस की सामा िजक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगित और प्रदर्शन की ि नगरानी करेगी और यदि आवश्यक हो, तो इकाई के संचालन को अनुमान के अनुसार सुनिश्चित करने के ि लए सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- स्वयं सहायता समूहों को प्रत्येक सदस्य के अंतर्राष्ट्रीय ि वकास कार्य (आईजीए) की प्रगित और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चा िहए और यि द आवश्यक हो, तो इकाई के संचालन को अनुमान के अनुसार सु िनश् िचत करने के ि लए सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चा िहए।

19. ब्रेक ईवन- बिंदकी गणना-

= पूंजीगत व्यय/(िवक्रय मूल्य(प्रति प्लेट) उत्पादन-लागत (प्रति प्लेट)= 61300/3-0.80

= रु 27863/. -

यह प्रक्रिया 27863 प्लेटें बेचने के बाद ही पूरी हो पाएगी।

.

20. टिप्पणियाँ

समूह का आगामी लक्ष्य मशीन पत्तलऔर डूना के रूप में मूल्य संवर्धन कर के अपनी आय बढ़ाना है,िजस में रगों आदि का उपयोग िकया जाता है।चूँिक इस उत्पादन से कोई ब्रांड जुड़ा नहीं है,इसिलए खुद को एक ब्रांड के रूप में स्थाि पत करना है।अपने उत्पादन की उच्चगुणवत्ता बनाए रखते हुए और एक उचित िनर्माण योजना बनाकर, उन्होंने इस लक्ष्य को प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है। लेिकन समूह के सदस्य कम आय वाले हैं और वे 25% योगदान दे सकते हैं,जबिक परियोजना को शेष75% वहन करना होगा।

समूह सदस्य की व्यक्तिगत तस्वीरें:

.

वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यवसाय योजना अनुमोदन

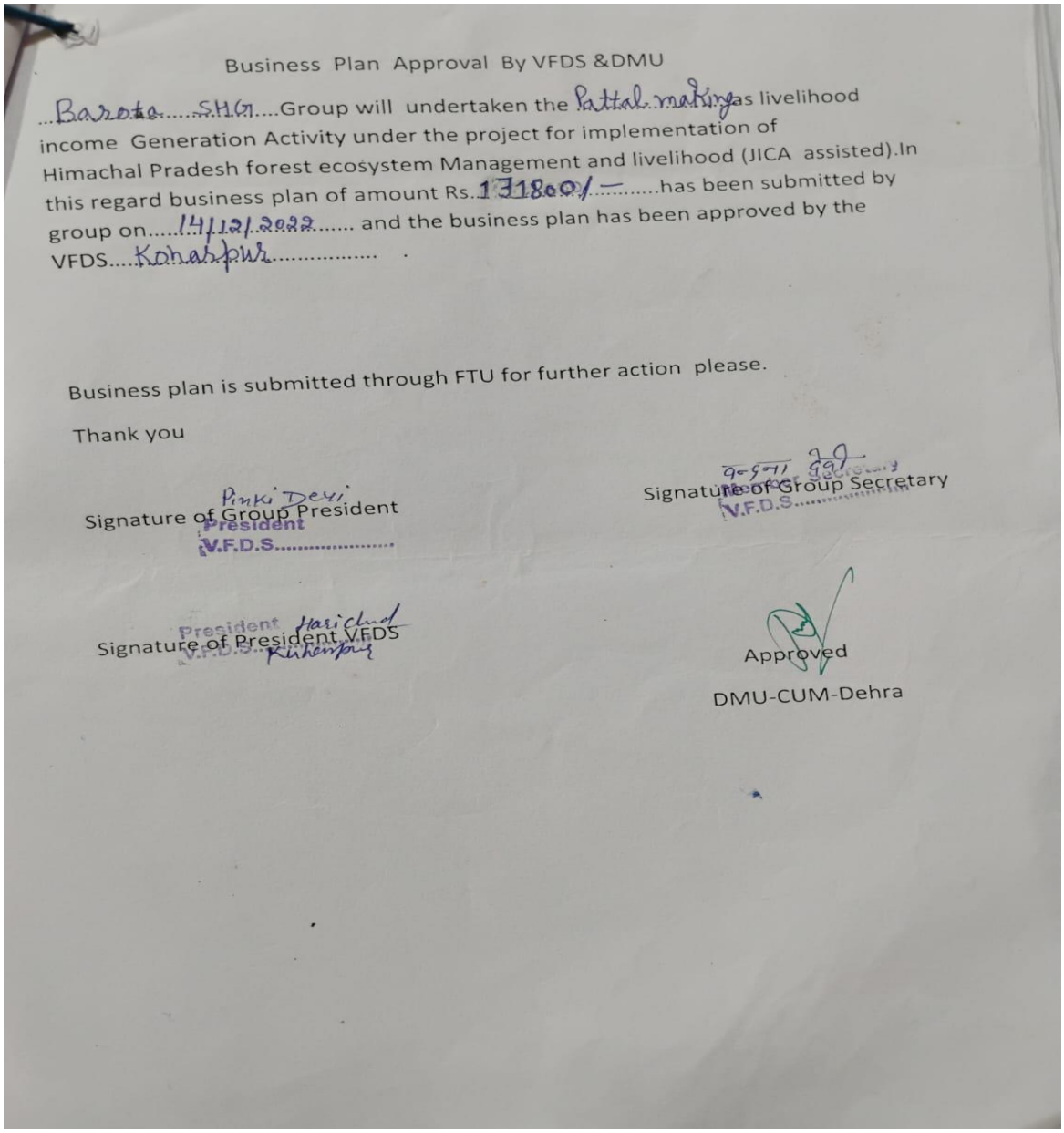

Business Plan Approval By VFDS &DMU

...Barota.....SHG....Group will undertaken the Pattal making as livelihood income Generation Activity under the project for implementation of Himachal Pradesh forest ecosystem Management and livelihood (JICA assisted).In this regard business plan of amount Rs. 131800/- .....has been submitted by group on.....14/12/2022..... and the business plan has been approved by the VFDS.....Kohabpur..... .

Business plan is submitted through FTU for further action please.

Thank you

Signature of Group President

Pinki Devi
President
V.F.D.S.....

Signature of Group Secretary

V.F.D.S.....

Signature of President VFDS

President Harichand
V.F.D.S. Kuhenpur

Approved

DMU-CUM-Dehra

स्वयं सहायता समूह का नाम: बरोटा **वीएफडीएस: कोहारपुर** **रेंज: ज्वालामुखी** **वन विभाग: देहरा**

<u>**संकल्प–सह-समूह सहमति पत्र**</u>

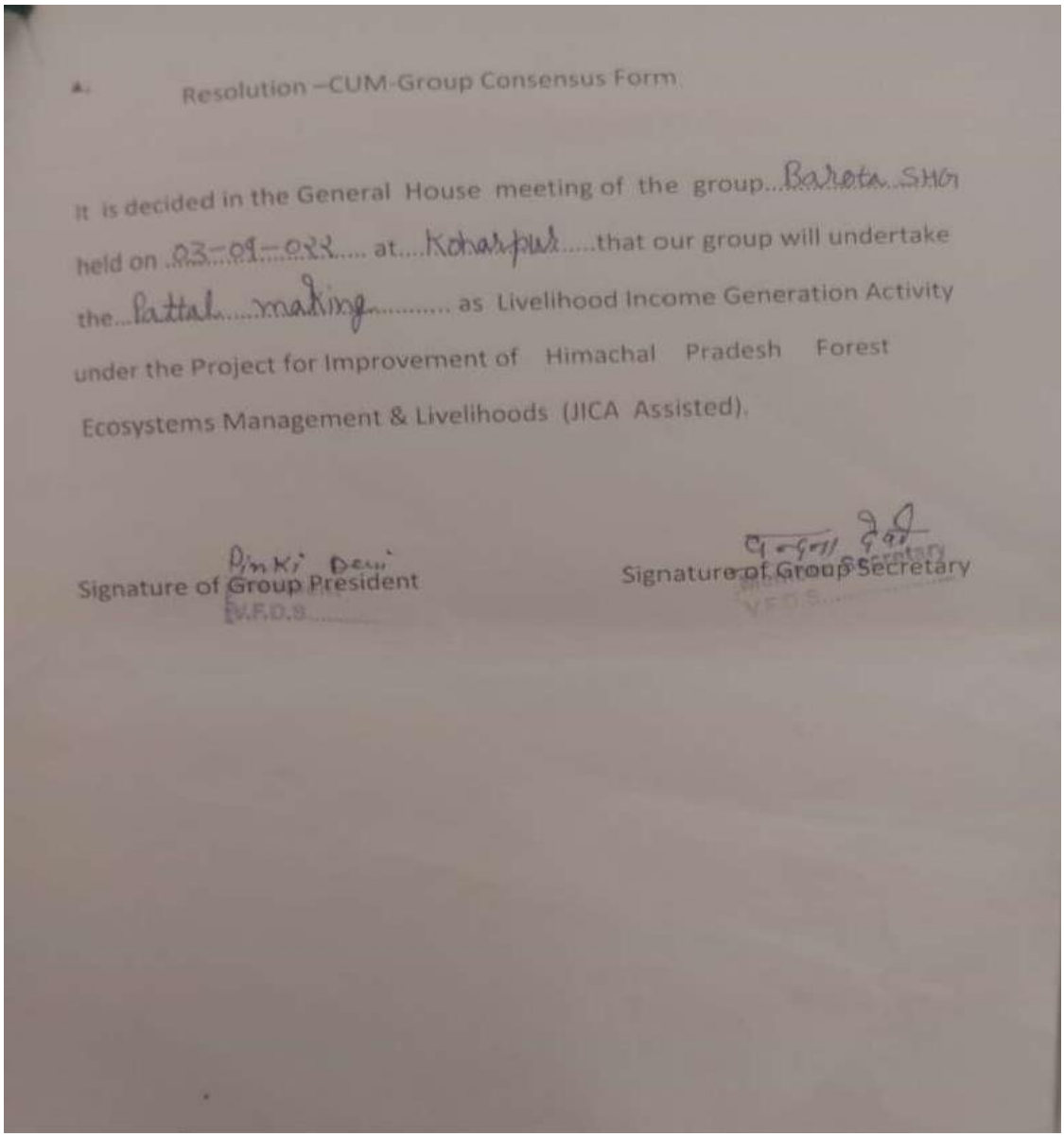

Resolution –CUM-Group Consensus Form

It is decided in the General House meeting of the group...Barota SHG held on 03-09-022..... at....Koharpur.....that our group will undertake the...Pattal making.......... as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Improvement of Himachal Pradesh Forest Ecosystems Management & Livelihoods (JICA Assisted).

Pinki Devi
Signature of Group President

Signature of Group Secretary

स्वयं सहायता समूह का नाम: बरोटा **वीएफडीएस: कोहारपुर** **रेंज: ज्वालामुखी** **वन विभाग: देहरा**

FTU के माध्यम से DMU को प्रस्तुत किया गया

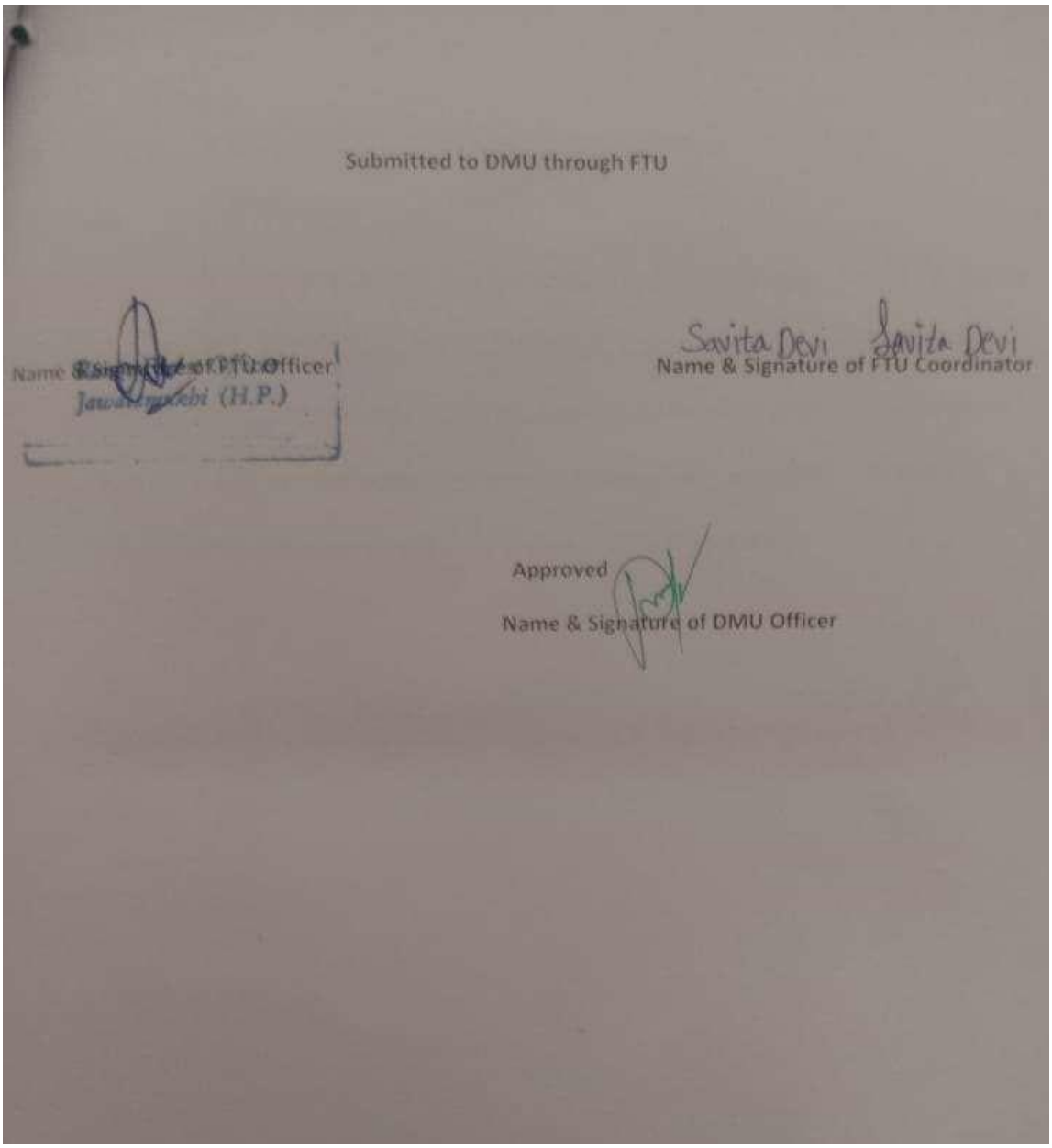

व्यवसाय योजना द्वारा बनाई गई ;-

1. श्री मदन लाल शर्मा – रिटायर्ड HPFS
2 दीक्षा देवी - SMS जाईका
3 सविता देवी - FTU जाईका